----बाबा बुला रहे---

बाबा बुला रहे ,,,आ जाओ मेरे बच्चे
कब से तरस रही है बाहें तुमको इनमें भरने
मुझमें तुम समा जाओ सब दुखो को तुम भुला के
सागर की लहरों में जैसे होता उमंग उल्लास भरके
आओ जाओ मेरे मीठे बच्चे ,,,,कब से बिछड़े तुम मुझसे
रह मैं भी नहीं दूर पाता,,, भटक रहे तुम आधे कल्प से
लेने आया हुँ ,,,तुमको गले लागने आया,, सब गलतियों को तुम्हारे भुला के
आ जाओ मेरे बच्चे यह बाहें खुले है कब से
आ जाओ मेरे लाडलो मेरे सपूत बच्चों*
***** ॐ शांति****